This question paper contains 3 printed pages.

B.A./B.Ed. (Pt. - II) **Roll No. .....**

205-II

Nat.Aka. & Kat. Vid.

B.A./B.Ed. (Four Year) (Part-II) EXAMINATION - 2026

B.A.-B.Ed. 05/06/07 (G-B)

हिन्दी साहित्य–II

(नाटक, एकांकी तथा कथेतर विधाएँ)

प्रश्न पत्रः द्वितीय

Time Allowed: Three Hours

Maximum Marks: 100

किसी भी परीक्षार्थी को पूरक उत्तर पुस्तिका नही दी जायेगी। अतः परीक्षार्थियों को चाहिए कि वे मुख्य उत्तर पुस्तिका में ही समस्त प्रश्नों के उत्तर लिखें।

किसी भी एक प्रश्न के अन्तर्गत पूछे गये विभिन्न प्रश्नों के उत्तर उत्तर–पुस्तिका में अलग अलग स्थानों पर हल करने के बजाय एक ही स्थान पर हल करें।

प्रश्नों के उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न–पत्र पर रोल नम्बर अवश्य लिखिए।

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु निर्धारित अंक सामने अंकित है।

Ruoldpapers.com

1. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 9x4=36

(क) सियाने यह भी कह गए हैं कि जो अतीत से सबक हासिल नहीं करता, वह वर्तमान में भी अन्धा और भविष्य में भी अन्धा बना रहता है। आप कहते हैं, मैं पीछे मुडकर नहीं देखा करूँ, मुझे इस ब्याह में मिला क्या है? छोटी–सी थी, जब मैं इसके घर ब्याह कर आई थी। घर में हानूश को कोई पूछता ही नहीं था। दुनिया में इज्ज़त भी उसी की होती है जिसका घरवाला कमाने वाला हो। यह सभी की पूँछ बना घूमता था। और आज यह दिन आया, इसकी हालत सुधरने की बजाय और भी नीचे गिरती गई है।

अथवा

मै कहूँ, यह मुझे पहले क्यों नहीं सूझा? सारा दोष इस्पात का था। इसके लिए ज्यादा लचीले धातु की जरूरत थी। यह नई कमानी बनवाई है। बड़े मियाँ ने अभी बनाकर तैयार की है। तीन–चौथाई लोहा, एक–चौथाई पीतल। मुझे अचानक ही सूझ गया। मैंने कहा, अगर कमानी थोड़ी और लचीली हो तो नीचे का वजन उसे रोकेगा नहीं बल्कि वह पहले से भी ज्यादा उठती–बैठती रहेगी।

P.T.O.

Ruoldpapers.com

(ख) ठीक है, मैं तुम्हारी हिम्मत बँधाता रहा हूँ। पहले मैं भी सोचता था कि घड़ी बन जाएगी तो अपने ही गिरजे पर इसे लगवा दूंगा। मैंने लाट पादरी से कह भी दिया था कि घड़ी बन रही है जो भगवान के घर की शोभा बढ़ाएगी। लेकिन अब ज़ाहिर हो गया है कि यह खामखयाली थी, इसे छोड़ देना ही उचित था। मैं स्वयं एक सपना देखने लगा था।

अथवा

मैं तुम्हारे काम का मज़ाक नही उड़ा रहा, मैं तो इंसान की कमजोरियों की बात कर रहा हूँ। इंसान अपने काम का बहुत ऊँचा मूल्य आँकता फिरता है। कहाँ गए रोम के महल और किले? जब वे बनाए गए थे तो इनसान समझता था कि उसने दुनिया बदल दी है।

(ग) (सामान वैसे ही छोडकर कुर्सी को उसकी और घुमाते हुए) मैंने तुमसे कितनी बार कहा है कि अपने भावों को छिपा लेने की निपुणता तुम्हे प्राप्त नहीं। तुम्हारी उपेक्षा, तुम्हारा क्रोध, तुम्हारी समस्त भावनाएँ तुम्हारी आकृति पर प्रतिबिम्बित हो जाती हैं। तुम्हें मेरी आदते बुरी लगती हैं, पर मैंने तुम्हे अँधेरे में नही रखा।

अथवा

जो हो मैंने मृत्यु के पार देखने की कोशिश की है। जीवन का आदर्श ही सही है कि जीवन के उस पार देखा जाय। मृत्यु तो सूक्ष्म जीवन का प्रवेश द्वार है। आज का विज्ञान सिर्फ मैटर की खोज करता 'स्पिरिट' की नहीं। मैंने 'स्पिरिट' की खोज की है।

(घ) मेरा यह विश्वास हो गया है कि आज शक्तिशाली वे ही हो सकते हैं, जो या तो अपने और दूसरों के अड़े हुए और अड़ने योग्य काम चालू कर सकें या दूसरों के चालू कामों में अड़ंगा डाल सकें। जो ऐसा नहीं करते हैं, उन्हें सहृदय व्यक्ति मुँह बिचकाकर 'भले आदमी' की उपाधि दे डालते हैं, अर्थात् अप्रत्यक्ष रूप से कहना चाहते हैं कि ये महाशय उसी कोटि के व्यक्ति हैं, जिस कोटि के लोग ऊंचे सिद्धांतों की बातें चाहे जितनी बघार लें, काम की एक नहीं जानते!

अथवा

एक पुरानी चीनी कहावत है: हजार मील की यात्रा एक छोटे कदम से आरम्भ होती है। किन्तु कौन–से अनजाने क्षण हम वह कदम, आँखे मूँद, ले लेते हैं, यह आज भी मेरे लिए रहस्य बना है। मुझे आज भी उस रात की धुँधली–सी याद है। 'धुँधली–सी' इसलिए कि हम उस रात इतनी बीयर पी चुके थे कि आज उसके बारे में कुछ भी याद रह सका यही आश्चर्य है।

2. नाटक के तत्वों के आधार पर 'हानूश' नाटक का तात्विक मूल्यांकन कीजिए। https://www.pyqonline.com 14

अथवा

हानूश नाटक के माध्यम से भीष्म साहनी क्या संदेश देना चाहते हैं? नाटक की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

3. हानूश नाटक के आधार पर हानूश के चरित्र की प्रमुख विशेषताएँ बताइए। 14

अथवा

क्या 'हानूश' नाटक आज के समय में भी प्रासंगिक है? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

4. एकांकी के तत्वों के आधार पर 'उत्सर्ग' एकांकी का विश्लेषण कीजिए। 1

अथवा

उपेंद्रनाथ अश्क के 'तौलिए' एकांकी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

5. 'ये है प्रोफेसर शशांक' के आधार पर प्रोफेसर शशांक का चरित्र चित्रण अपने शब्दों में कीजिए। 14

अथवा

यात्रावृत्त किसे कहते हैं? यात्रावृत्त की विशेषताओं के आधार पर बताइए की 'चीड़ों पर चांदनी' एक श्रेष्ठ यात्रावृत्त है।

6. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर टिप्पणी लिखिए– 8

1. हिंदी के एब्सर्ड एकांकी
2. प्रसादोत्तर युग के नाटक
3. संस्मरण का अर्थ और भूमिका
4. जीवनी और आत्मकथा में अंतर

Ruoldpapers.com